No. of Printed Pages : 7 Sr. No.

2012

विधि (प्रक्रिया एवं साक्ष्य), द्वितीय प्रश्न पत्र
LAW (Procedure and Evidence), Second Paper

निर्धारित समय : तीन घंटे] [अधिकतम अंक : 200

Time allowed : Three hours] [Maximum marks : 200

नोट : अभ्यर्थी को प्रश्न संख्या 1 तथा **चार** अन्य प्रश्न करने हैं । प्रत्येक खण्ड से कम से कम **एक** प्रश्न अवश्य करें । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं ।

Note : Candidates should attempt question No. **1** and **four** more. At least one question must be attempted from each group. Marks carried by each question are indicated at its end.

1. (अ) 18 जुलाई, 2005 को राधेश्याम गुप्ता ने संजय अग्रवाल जो एक व्यापारी था, के विरुद्ध एक फौजदारी परिवाद दाखिल किया । परिणामस्वरूप संजय अग्रवाल को जेल में रहना पड़ा और उसका व्यापार प्रभावित हुआ । 12 दिसम्बर 2005 को दण्ड न्यायालय ने संजय अग्रवाल को इस आधार पर दोषमुक्त कर दिया कि उसके खिलाफ परिवाद झूठा एवं आधारहीन था । संजय अग्रवाल राधेश्याम गुप्ता के विरुद्ध विद्वेषपूर्ण अभियोजन के लिए वाद लाना चाहते हैं ।

उपर्युक्त तथ्यों के प्रकाश में संजय अग्रवाल के लिए एक वाद पत्र तैयार कीजिए । **20**

(ब) उपर्युक्त प्रश्न (अ) के वाद-पत्र के उत्तर में प्रतिवादी राधेश्याम गुप्ता के लिए एक लिखित कथन का प्रारूप लिखिये । **20**

(a) On July 18, 2005 Radhey Shyam Gupta had instituted a criminal complaint against Sanjay Agarwal, who was a businessman. Consequently Sanjay Agarwal had to remain in jail and his business was affected. On Dec. 12, 2005 trial Court acquitted Sanjay Agarwal on the ground that the complaint against him was false and baseless. Sanjay Agarwal wants to file a suit for malicious prosecution against Radhey Shyam Gupta.

In the light of the fact stated above draft a plaint for Sanjay Agarwal.

(b) Draft a written statement on behalf of Radhey Shyam Gupta in response to the plaint in question (a).

अथवा / OR

'ब' को अपराधिक षड्यन्त्र के लिए दोषसिद्ध ठहराए जाने के आशय से 'अ' एक पत्र 'ब' के हस्तलेख की अनुकृति करके लिखता है, जिससे यह तात्पर्यित है कि 'ब' ने उसे ऐसे अपराधिक षड्यन्त्र के सहअपराधी को सम्बोधित किया है और उस पत्र को ऐसे स्थान पर रख देता है, जिसके सम्बन्ध में वह जानता है कि पुलिस ऑफिसर सम्भवत: उस स्थान की तलाशी लेंगे ।

उपर्युक्त कथनों के आधार पर एक आरोप-पत्र तैयार कीजिए और दोषसिद्ध करते हुए एक निर्णय लिखिए । **40**

'A' with the intention of causing 'B' to be convicted of a criminal conspiracy writes a letter imitating 'B's handwriting, purporting to be addressed to an accomplice in such criminal conspiracy and puts the letter in a place which he knows that the police officer is likely to search.

On the basis of the facts stated above frame a charge and write a judgement of conviction.

खण्ड – अ

Group – A

2. (अ) 'अ' एक वाद यह घोषित करने के लिए प्रस्तुत करता है कि वह 'ब' का उत्तराधिकारी होने से कुछ भूमि का हकदार है । वाद खारिज कर दिया जाता है । क्या वह दूसरे वाद में उस सम्पत्ति को प्रतिकूल कब्जा के आधार पर दावा कर सकता है ? व्याख्या कीजिए । **20**

(ब) किसी सिविल वाद में संयुक्त वादी एवं प्रतिवादी बनाने के नियमों को उदाहरण सहित समझाइए । **10**

(स) "अभिवचन में तात्विक तथ्यों का, न कि साक्ष्य का, कथन होगा ।" विवेचना कीजिए । **10**

(a) 'A' files a suit for declaration that he is entitled to certain lands as heir of 'B'. The suit is dismissed. Can he claim, in later suit, title to the same property on the basis of adverse possession ? Explain.

(b) Explain and illustrate the rules relating to joinder of plaintiffs and defendants in civil suit.

(c) "Pleading to state material facts and not evidence". Explain.

3. (अ) किन परिस्थितियों में प्रतिवादी की सम्पत्ति वाद के निर्णय के पूर्व ही कुर्क की जा सकती है ? **20**

(ब) सिविल प्रक्रिया संहिता में निष्पादन कार्यवाही में सम्पत्ति की कुर्की तथा विक्रय सम्बन्धी प्रावधानों की विवेचना कीजिए । **10**

(स) आन्वयिक प्रान्ड्न्याय की व्याख्या करिए । **10**

(a) In what circumstances the property of defendant can be attached before judgement ?

(b) Discuss the provisions of Civil Procedure Code regarding the attachment and sale of property in execution proceedings.

(c) Explain constructive res-judicata.

4. (अ) उन प्रावधानों का उल्लेख करिए जिनसे वाद प्रस्तुत करने का स्थान निर्धारित होता है । **20**

(ब) एक मकान के सम्बन्ध में 'अ' एवं 'ब' में वाद चला । वाद में 'अ' विजयी हुआ और मकान पर कब्जा भी प्राप्त कर लिया । 'ब' ने अपील प्रस्तुत की और अपील में विजयी हुआ, किन्तु 'अ' ने उसे मकान का कब्जा वापस नहीं किया । 'ब' द्वारा मकान पर कब्जा प्राप्ति हेतु विधिक प्रक्रिया की विवेचना कीजिए । **10**

(स) सरकार द्वारा या उसके विरुद्ध वाद लाने की प्रक्रिया का परीक्षण कीजिए । **10**

(a) Enumerate the provisions by which place of sueing is determined.

(b) There was suit between 'A' and 'B' regarding a house. 'A' won the suit and also obtained the possession of the house. 'B' filed an appeal and he won in appeal. 'A' however did not return the possession of the house to 'B'. Explain the legal procedure to obtain the possession of the house by 'B'.

(c) Examine the procedure for bringing suit by or against the Government.

खण्ड – ब

Group – B

5. (अ) उपधारणा से आप क्या समझते हैं ? उपधारणा के प्रकारों की चर्चा करिए । **20**

(ब) 'क' अपनी पत्नी 'ग' के साथ जारकर्म करने के लिए 'ख' का अभियोजन करता है । 'ख' इस बात का प्रत्याख्यान करता है कि 'ग' 'क' की पत्नी है । किन्तु न्यायालय 'ख' को जारकर्म के लिए दोषसिद्ध करता है । तत्पश्चात् 'क' के जीवनकाल में 'ख' के साथ विवाह करने पर 'ग' द्वि-विवाह के लिए अभियोजित की जाती है । 'ग' कहती है कि वह 'क' की पत्नी कभी नहीं थी । क्या 'ख' के विरुद्ध दिया गया निर्णय 'ग' के विरुद्ध सुसंगत है ? सुसंगत प्रावधानों की सहायता से समझाइए । **10**

(स) 'क' पर 'ख' की ख्याति को अपहानि करने के आशय से एक लाँछन प्रकाशित करके 'ख' की मानहानि करने का अभियोग है । क्या यह तथ्य कि 'ख' के बारे में 'क' ने पूर्व प्रकाशन किए जिनसे 'ख' के प्रति 'क' का वैमनस्य दर्शित होता है, सुसंगत है ? **10**

(a) What do you mean by presumption ? Discuss the kinds of presumption.

(b) 'A' prosecuted 'B' for adultery with 'C' 'A's wife. 'B' denies that 'C' is A's wife, but the Court convicts 'B' for adultery. Afterwards, 'C' is prosecuted for bigamy in marrying 'B' during 'A's lifetime. 'C' says that she never was 'A's wife. Whether the judgement against 'B' is relevant as against 'C'. Explain with the help of relevant provisions.

(c) 'A' is accused of defaming 'B' by publishing an imputation intended to harm the reputation of 'B'. Whether the facts of previous publication by 'A' respecting 'B', showing ill-will on the part of 'A' towards 'B' is relevant ?

6. (अ) 'सबूत के भार' से सम्बन्धित विधि की व्याख्या करिए । क्या सिविल मामलों के सम्बन्ध में सबूत का भार अपराधिक मामलों के सबूत के भार से भिन्न होता है ? विवेचना कीजिए । **20**

(ब) 'क' के साथ की गई सेवा की संविदा को भंग करने के लिए 'ग' को उत्प्रेरित करने के कारण 'ख' पर 'क' वाद लाता है । 'क' की नौकरी छोड़ते समय 'क' से 'ग' कहता है कि "मैं तुम्हें छोड़ रहा हूँ, क्योंकि 'ख' ने मुझे तुमसे अधिक अच्छी प्रतिस्थापना की है ।" क्या 'ग' का यह कथन सुसंगत है ? **10**

(स) किसी साक्षी से यह पूछा जाता है कि क्या वह किसी ओहदे (पद) से बेईमानी के आधार पर कभी पदच्युत किया गया था । वह इसका प्रत्याख्यान करता है । यह दर्शित करने के लिए कि वह बेईमानी के लिए पदच्युत किया गया था, साक्ष्य प्रतिस्थापित किया जाता है । साक्ष्य की ग्राह्यता का परीक्षण कीजिए । **10**

(a) Explain the law relating to 'burden of proof'. Is the law in relation to civil cases different from criminal cases ? Explain.

(b) 'A' sues 'B' for inducing 'C' to breach a contract of service made by him with 'A'. 'C', on leaving 'A's services says to 'A' – "I am leaving you because 'B' had made me a better offer." Whether this statement of 'C' is relevant ?

(c) A witness is asked whether he was ever dismissed from a post on the ground of dishonesty. He denies it. Evidence is offered to show that he was dismissed for dishonesty. Examine the admissibility of evidence.

7. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(i) न्यायिक कार्यवाही

(ii) साक्षी की विश्वसनीयता पर अधिक्षेप

(iii) सह-अपराधी का साक्ष्य

(iv) विवाद्यक तथ्य **20**

(ब) कारण सहित उत्तर दीजिए :

'क' पर किसी अन्य व्यक्ति को कूटकृत सिक्का कपटपूर्वक परिदान करने का अभियोग है, जिसे वह परिदान करते समय जानता था कि वह कूटकृत है । क्या यह तथ्य कि उसके परिदान के समय 'क' के कब्जे में वैसे ही दूसरे सिक्के थे, सुसंगत है ? 10

(स) प्रश्न यह है कि 'क' के जन्म की तारीख क्या है । क्या 'क' के मृत पिता द्वारा किसी मित्र को लिखा हुआ पत्र, जिसमें यह बताया गया है कि 'क' का जन्म अमुक दिन हुआ, सुसंगत है ? 10

(a) Write short note on any **two** of the following :

(i) Judicial proceeding

(ii) Impeaching the credit of witness

(iii) Evidence of co-accused

(iv) Fact in issue

(b) 'A' is accused of fraudulently delivering to another person a counterfeit coin which, at the time when he delivered it, he knew to be counterfeit. Whether the fact that, at the time of its delivery, 'A' was possessed of a number of other pieces of counterfeit coin is relevant.

(c) The question is, what was the date of birth of 'A'. Whether a letter from 'A's deceased father to a friend, announcing the birth of 'A' on a given date is relevant ?

खण्ड – स

Group – C

8. (अ) यदि कोई मजिस्ट्रेट किसी व्यक्ति को बिना वारन्ट के गिरफ्तार करता है तो क्या उसे गिरफ्तार व्यक्ति को गिरफ्तारी का आधार बताना आवश्यक होगा ? यदि हाँ, तो दण्ड प्रक्रिया संहिता के किस उपबन्ध के अन्तर्गत ? व्याख्या कीजिए । 10

(ब) सरकारी सेवक पर समन की तामील कैसे की जाती है ? 10

(स) एक मजिस्ट्रेट गलती से और सद्भावनापूर्वक किसी पुलिस अधिकारी को असंज्ञेय मामले में अन्वेषण करने का आदेश देता है, जिसके लिए वह सशक्त नहीं है । इस अनियमितता का कार्यवाही की वैधता पर क्या प्रभाव होगा ? 10

(द) क्या जम्मू-कश्मीर राज्य के भीतर किया गया अपराध दण्ड प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों के अन्तर्गत भारत के बाहर किया गया अपराध माना जायेगा ? कारण सहित उत्तर दीजिए । 10

(a) When a Magistrate arrests a person without a warrant, is he required to inform the person arrested, of the grounds for such arrest ? If so, under which provision of Criminal Procedure Code. Explain.

(b) How summons is served on government servant ?

(c) A Magistrate, who is not empowered, erroneously and in goodfaith, orders the police officer to investigate into a non-cognizable case. What would be the effect of this illegality on the validity of the proceeding ?

(d) Can an offence committed within the State of Jammu and Kashmir be considered under provisions of Code of Criminal Procedure as an offence committed outside of India ? Answer with reasons.

9. (अ) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 145 के अन्तर्गत स्थावर सम्पत्ति विषयक विवादों में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए । 10

(ब) संक्षिप्त विचारण क्या है ? किन अपराधों का संक्षिप्त विचारण हो सकता है और किसके द्वारा ? 10

(स) मजिस्ट्रेट द्वारा अपराध का संज्ञान लेने का क्या अर्थ है ? किन परिस्थितियों में मजिस्ट्रेट अपराध का संज्ञान ले सकता है ? 10

(द) किन परिस्थितियों में एक पत्नी अपने पति से भरण-पोषण की माँग कर सकती है ? क्या एक विवाहित महिला अपने पिता से भरण-पोषण पाने की हकदार है ? 10

(a) Give a short account of the procedure to be followed under Section 145 of Code of Criminal Procedure in case of dispute as to immovable property.

(b) What is summary trial ? What offences may be summarily tried and by whom ?

(c) What is meant by taking cognizance of an offence by Magistrate ? Under what circumstances can a Magistrate take cognizance of an offence ?

(d) Under what circumstances can a wife claim maintenance from her husband ? Is a married woman entitled to claim maintenance from her father ?

10. (अ) 'क' पर लोक सेवक 'ख' को उसके लोक कृत्य के निर्वहन में कथित समय पर और कथित स्थान में बाधित करने का अभियोग है । क्या आरोप में वह रीति उपवर्णित करनी होगी जिससे 'क' ने 'ख' को कृत्य के निर्वहन में बाधित किया ? कारण सहित उत्तर दीजिए । 10

(ब) दण्ड प्रक्रिया संहिता में दिए हुए वारण्ट मामलों में विचारण सम्बन्धित सामान्य उपबन्धों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए । 20

(स) परिवादी के हाजिर न होने या उसकी मृत्यु से मजिस्ट्रेट द्वारा सम्मन मामलों में क्या असर होता है ? 10

(a) 'A' is accused of obstructing 'B', a public servant, in the discharge of his public functions at a given time and place. Whether the charge should set out the manner in which 'A' obstructed 'B' in the discharge of his functions ? Give answer with reason.

(b) Give a brief account of general provisions of trial in warrant cases as contained in Code of Criminal Procedure.

(c) What is the effect of non-appearance or death of complainant in a trial of summons cases by Magistrate ?